Rashtriya Sahara (Hindi)

(Gorakhpur Ed.)
March 27, 2018
Pg.7

EDII

उद्यमिता विकास को लाने होंगे कई बदलाव : प्रो. योगेश

गोरखपुर (एसएनबी)। आईटीएम जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के पूर्व कुलपति प्रो. योगेश उपाध्याय ने कहा कि भारत में उद्यमिता को लेकर आमजन में काफी उत्साह रहता है। लोग नये उपक्रम शुरू भी करना चाहते हैं लेकिन यहां की नौकरशाही, सामाजिक संरचना व आर्थिक नीतियां आड़े आती हैं। यही वजह है कि यहां नये उद्यमों की असफलता की दर काफी ऊंची है। लिहाजा इनमें काफी बदलाव लाने होंगे अन्यथा वही ढाक के तीन पात हासिल होंगे।

विविः 'वैश्विक संदर्भ में उद्यमिता संवर्द्धनः मुद्दे व चुनौतियां' पर नेशनल सेमिनार

भारत में उद्यमिता विकास की अच्छी संभावनाएं : प्रो. सुनील शुक्ल

कारोबार बढ़ाने को लोकतंत्रीय व्यवस्था में भी सुधार जरूरी : प्रो. बीपी सिंह

विवि के कामर्स विभाग द्वारा दीक्षा भवन सभागार में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पुस्तक का विमोचन करते प्रो.सुनील शुक्ला,प्रो.बीपी सिंह, प्रो.एके तिवारी, प्रो. योगेश उपाध्याय, प्रो.वीके पाण्डेय व अन्य।

प्रो.योगेश, सोमवार को दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय विभाग द्वारा प्रेक्षागृह में 'वैश्विक संदर्भ में उद्यमिता संवर्द्धन : मुद्दे तथा चुनौतियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे।

बतौर मुख्य अतिथि भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के निदेशक प्रो. सुनील शुक्ल ने कहा कि भारत में उद्यमिता विकास की काफी अच्छी संभावनाएं। कई बाधाओं व चुनौतियों के बावजूद उद्यमिता विकास के अच्छे नतीजे और आशावादी संकेत मिल रहे हैं।

अध्यक्षता करते हुए गुरु गोविन्द सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के प्रो. बीपी सिंह ने कहा विश्व खुशहाली सूचकांक के अधिकांश मानकों पर भारत दुनिया ही नहीं एशिया के भी कई देशों से काफी पीछे चल रहा है। इसके पीछे सरकारी तंत्र की अकुशलता व अक्षमता जगजाहिर है। उन्होंने कहा कि कारोबार बढ़ाने के लिए नीतियों में ही नहीं लोकतंत्रीय व्यवस्था में भी बहुत से सुधार अपेक्षित है। विषय प्रवर्तन प्रो. आरपी सिंह ने किया। सेमिनार के निदेशक प्रो. अवधेश कुमार तिवारी ने अतिथियों का परिचय कराया। संचालन हेमशंकर बाजपेयी व आभार ज्ञापन आयोजन सचिव प्रो. संजय बैजल ने किया।

तकनीकी सत्रों में परिचर्चा

उद्घाटन सत्र के बाद दो तकनीकी सत्र आयोजित हुए। पहले सत्र में 'नैतिकता उद्यमिता सहित आर्थिक वृद्धि व विकास के चालक रूप उद्यमिता और द्वितीय सत्र 'उद्यमिता तथा नवाचार' था। इसमें दिल्ली विवि के प्रो.आरके सिंह, प्रो. आनंद सेनगुप्ता, प्रो.अनिवाश पथार्डिकर, प्रो. राजीव प्रभाकर ने हिस्सा लिया।